पाठ ४

मिठाईवाला - ले. भगवतीप्रसाद वाजपेयी

संवाद - 4 (अ)

- बच्चों को बहलानेवाला मिठाईवाला!

- दादी, चुन्नू-मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है। जरा कमरे में चलकर ठहराओ तो। मैं उधर कैसे जाऊँ, कोई आता न हो। ज़रा हटकर मैं भी चिक की ओट में बैठी रहूँगी। रोहिणी ने कहा।

- ए मिठाईवाले, इधर आना।

- माँ, कितनी मिठाई दूँ? नई तरह की मिठाइयाँ हैं, रंग-बिरंगी, कुछ-कुछ खट्टी, कुछ-कुछ मीठी, और जायकेदार। बड़ी देर तक मुँह में टिकती है। जल्दी नहीं घुलतीं। बच्चे इन्हें बड़े चाव से चूसते हैं। इन गुणों के सिवाय ये खाँसी को भी दूर करती है। कितनी दूँ? चपटी, गोल और पहलदार गोलियाँ हैं। पैसे की सोलह देता हूँ।

- सोलह तो बहुत कम होती हैं; भला पच्चीस तो देते।

- नहीं दादी, अधिक नहीं दे सकता। इतनी भी कैसे देता हूँ, यह अब मैं तुम्हें क्या... खैर, अधिक तो न दे सकूँगा।

- दादी, फिर भी काफी सस्ती दे रहा है। चार पैसे की ले लो। ये पैसे रहे।

- तो चार पैसे की दे दो। अच्छा पच्चीस न सही, बीस ही दो। अरे हाँ, मैं बूढ़ी हुई, मोल-भाव मुझे तो अब ज़्यादा करना भी नहीं आता।

- दादी, इससे पूछो, तुम इस शहर में और भी कभी आए थे, या पहली ही बार आए हो। यहाँ के निवासी तो तुम हो नहीं।

- पहली बार नहीं; और भी कई बार आ चुका हूँ।

- पहले यहाँ मिठाई बेचते हुए आए थे, या और कोई चीज़ लेकर?

- इससे पहले मुरली लेकर आया था; और इससे भी पहले खिलौने लेकर।

- इन व्यवसायों में भला तुम्हें क्या मिलता होगा?

- मिलता तो भला क्या है, यही खाने-भर को मिल जाता है। कभी नहीं भी मिलता है। पर हाँ, सन्तोष और धीरज और कभी-कभी असीम सुख ज़रूर मिलता है। और यही मैं चाहता भी हूँ।

© Rohini Parulekar

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'दादी, चुन्नू-मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है' वक्ता कौन है? पाठांश का विषय क्या है?

---

2. दुकानदार अपने माल की खपत के लिए विज्ञापन देता है। उपर्युक्त मिठाईवाला आपके पास अपने मिठाई का विज्ञापन बनवाने के लिए आया है। उसके लिए निम्नलिखित शब्दों की सहायता से एक विज्ञापन तयार करके दीजिए -

नई तरह की मिठाइयाँ	रंग-बिरंगी	कुछ-कुछ खट्टी	कुछ-
कुछ मीठी	जायकेदार	बड़ी देर तक मुँह में टिकने वाली	जल्दी न
घुलने वाली	चूसने योग्य	खाँसी को दूर करने वाली	चपटी
गोल	पहलदार	गोलियाँ	

© Rohini Parulekar